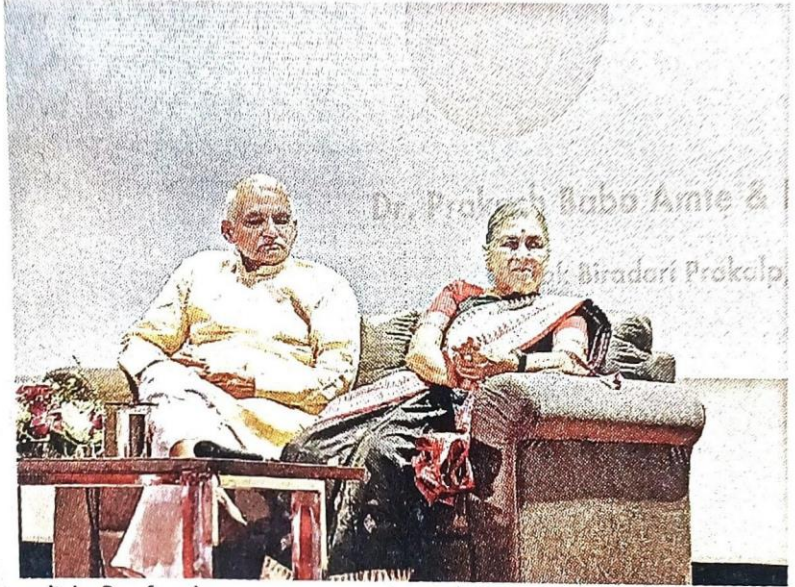


आदिवासियों को मुख्यधारा में जोड़ने उनकी प्रथाओं का समर्थन करें: पद्मश्री बाबा आमटे

नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में ज्ञानवर्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री डा. प्रकाश बाबा आमटे और डा. मंदाकिनी आमटे ने समुदायों को जोड़ना- सामाजिक प्रभाव और संरक्षण विषय पर छात्रों से परिचर्चा किया। डा. प्रकाश बाबा आमटे ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में काम करना बहुत कठिन है। हमने माडिया, गोंड जनजाति के बीच जाकर काम किया। उन्होंने बताया कि आदिवासियों की प्रसिद्ध धरोहर और प्रथाओं का समर्थन करके उन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति से जोड़ा। उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाकर उन्हें मुख्य धारा में लाना बहुत मुश्किल है। शिक्षा के माध्यम से ही हम क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। उन्हें शिक्षित करना होगा। उन्हें उनके अधिकार बताने होंगे। साथ ही सम्मानजनक जीवन जीने के लिए व्यावसायिक कौशल प्रदान करना होगा। डा. मंदाकिनी आमटे, ने



छात्रों से परिचर्चा करते डा. प्रकाश बाबा आमटे, डा. मंदाकिनी आमटे। ● नईदुनिया

कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संबंधित समस्याओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। डा. प्रकाश बाबा आमटे लोक बिरादरी प्रकल्प और हेमलकासा के संस्थापक हैं। समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने और मानव-पशु संबंधों में समरसता को बढ़ावा देने के लिए

उन्हें पद्मश्री, रेमन मैगसेसे अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। डा. मंदाकिनी आमटे को भी आदिवासी सेवक पुरस्कार, शेख हमदान अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। इस मौके पर संस्थान के डायरेक्टर प्रो. रामकुमार काकानी, प्रो. अरुणिमा शाह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।